doubtnut
India's Number 1 Education App

HINDI

BOOKS - X BOARDS

HINDI (COURSE B) 2015 Term I

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

आज हम सभी परेशान हैं कि समय पर वर्षा नहीं होती। कहीं

अतिवृष्टि है, कहीं अल्पवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि। पिछली सदी के पूर्वार्द्ध की उपेक्षा उत्तरार्द्ध में मौसमी-चक्र बहुत कुछ बदल गया है और अब तो अनिश्चित-सा हो गया है। पहले हर मौसम प्रायः समय पर आता था और वर्षा नियमित रूप से होती थी। यह स्थिति केवल भारत की नहीं है, बल्कि संपूर्ण विश्व की है। कहीं इतनी वर्षा होती है कि बाढ़ के कारण जन और धन की अपार हानि होती है, तो कहीं बिल्कुल वर्षा नहीं होती जिससे खड़ी फसलें खेत में नष्ट हो जाती है। कुछ देशों में बर्फ इतनी गिरती है कि जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। कभी-कभी जब फसल पक जाती है तब मूसलाधार वर्षा हो जाती है जिससे अन्न को घर लाना असंभव हो जाता है। वायुमंडल में प्रदूषण और प्रकृति-असंतुलन के कारण भारत के अधिकांश भाग में सन 1987 में बीसवीं शताब्दी का सबसे भयंकर सूखा

पड़ा। साथ ही पूर्वी भारत में बाढ़ के भीषण प्रकोप से जन-धन की काफी हानि हुई। यह प्राकृतिक विपदा मनुष्य-निर्मित है, क्योंकि मनुष्य स्वयं प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहा है। मौसम में इस तरह के बदलाव से सामान्य जन पीड़ित है और वैज्ञानिक चिंतित।

वैज्ञानिक खोजों से पता चलता है कि मौसम में परिवर्तन का कारण तथा फेफड़ों में कैंसर व हृदय के रोगों एवं मानसिक तनाव आदि का मुख्य कारण है, प्रकृति में असंतुलन । हम सभी जानते हैं कि धरती पर जीवन प्रकृति, संतुलन से ही संभव हो सका है।

आज मौसम परिवर्तन के क्या-क्या लक्षण दिखाई पड़ते हैं?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

आज हम सभी परेशान हैं कि समय पर वर्षा नहीं होती। कहीं अतिवृष्टि है, कहीं अल्पवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि। पिछली सदी के पूर्वार्द्ध की उपेक्षा उत्तरार्द्ध में मौसमी-चक्र बहुत कुछ बदल गया है और अब तो अनिश्चित-सा हो गया है। पहले हर मौसम प्रायः समय पर आता था और वर्षा नियमित रूप से होती थी। यह स्थिति केवल भारत की नहीं है, बल्कि संपूर्ण विश्व की है। कहीं इतनी वर्षा होती है कि बाढ़ के कारण जन और धन की अपार हानि होती है, तो कहीं बिल्कुल वर्षा नहीं होती जिससे खड़ी फसलें खेत में नष्ट हो जाती है। कुछ देशों में बर्फ इतनी गिरती है कि जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। कभी-कभी

जब फसल पक जाती है तब मूसलाधार वर्षा हो जाती है जिससे अन्न को घर लाना असंभव हो जाता है। वायुमंडल में प्रदूषण और प्रकृति-असंतुलन के कारण भारत के अधिकांश भाग में सन 1987 में बीसवीं शताब्दी का सबसे भयंकर सूखा पड़ा। साथ ही पूर्वी भारत में बाढ़ के भीषण प्रकोप से जन-धन की काफी हानि हुई। यह प्राकृतिक विपदा मनुष्य-निर्मित है, क्योंकि मनुष्य स्वयं प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहा है। मौसम में इस तरह के बदलाव से सामान्य जन पीड़ित है और वैज्ञानिक चिंतित।

वैज्ञानिक खोजों से पता चलता है कि मौसम में परिवर्तन का कारण तथा फेफड़ों में कैंसर व हृदय के रोगों एवं मानसिक तनाव आदि का मुख्य कारण है, प्रकृति में असंतुलन । हम सभी जानते हैं कि धरती पर जीवन प्रकृति, संतुलन से ही

संभव हो सका है।

बाढ़ से मानव जीवन किस प्रकार दूभर हो जाता है?

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

आज हम सभी परेशान हैं कि समय पर वर्षा नहीं होती। कहीं अतिवृष्टि है, कहीं अल्पवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि। पिछली सदी के पूर्वार्द्ध की उपेक्षा उत्तरार्द्ध में मौसमी-चक्र बहुत कुछ बदल गया है और अब तो अनिश्चित-सा हो गया है। पहले हर मौसम प्रायः समय पर आता था और वर्षा नियमित रूप से होती थी।

यह स्थिति केवल भारत की नहीं है, बल्कि संपूर्ण विश्व की है। कहीं इतनी वर्षा होती है कि बाढ़ के कारण जन और धन की अपार हानि होती है, तो कहीं बिल्कुल वर्षा नहीं होती जिससे खड़ी फसलें खेत में नष्ट हो जाती है। कुछ देशों में बर्फ इतनी गिरती है कि जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। कभी-कभी जब फसल पक जाती है तब मूसलाधार वर्षा हो जाती है जिससे अन्न को घर लाना असंभव हो जाता है। वायुमंडल में प्रदूषण और प्रकृति-असंतुलन के कारण भारत के अधिकांश भाग में सन 1987 में बीसवीं शताब्दी का सबसे भयंकर सूखा पड़ा। साथ ही पूर्वी भारत में बाढ़ के भीषण प्रकोप से जन-धन की काफी हानि हुई। यह प्राकृतिक विपदा मनुष्य-निर्मित है, क्योंकि मनुष्य स्वयं प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहा है। मौसम में इस तरह के बदलाव से सामान्य जन पीड़ित है और

वैज्ञानिक चिंतित।

वैज्ञानिक खोजों से पता चलता है कि मौसम में परिवर्तन का कारण तथा फेफड़ों में कैंसर व हृदय के रोगों एवं मानसिक तनाव आदि का मुख्य कारण है, प्रकृति में असंतुलन । हम सभी जानते हैं कि धरती पर जीवन प्रकृति, संतुलन से ही संभव हो सका है।

1987 में प्राकृतिक असंतुलन से क्या दुष्परिणाम सामने आए थे?

View Text Solution

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

आज हम सभी परेशान हैं कि समय पर वर्षा नहीं होती। कहीं अतिवृष्टि है, कहीं अल्पवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि। पिछली सदी के पूर्वार्द्ध की उपेक्षा उत्तरार्द्ध में मौसमी-चक्र बहुत कुछ बदल गया है और अब तो अनिश्चित-सा हो गया है। पहले हर मौसम प्रायः समय पर आता था और वर्षा नियमित रूप से होती थी। यह स्थिति केवल भारत की नहीं है, बल्कि संपूर्ण विश्व की है। कहीं इतनी वर्षा होती है कि बाढ़ के कारण जन और धन की अपार हानि होती है, तो कहीं बिल्कुल वर्षा नहीं होती जिससे खड़ी फसलें खेत में नष्ट हो जाती है। कुछ देशों में बर्फ इतनी गिरती है कि जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। कभी-कभी

जब फसल पक जाती है तब मूसलाधार वर्षा हो जाती है जिससे अन्न को घर लाना असंभव हो जाता है। वायुमंडल में प्रदूषण और प्रकृति-असंतुलन के कारण भारत के अधिकांश भाग में सन 1987 में बीसवीं शताब्दी का सबसे भयंकर सूखा पड़ा। साथ ही पूर्वी भारत में बाढ़ के भीषण प्रकोप से जन-धन की काफी हानि हुई। यह प्राकृतिक विपदा मनुष्य-निर्मित है, क्योंकि मनुष्य स्वयं प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहा है। मौसम में इस तरह के बदलाव से सामान्य जन पीड़ित है और वैज्ञानिक चिंतित।

वैज्ञानिक खोजों से पता चलता है कि मौसम में परिवर्तन का कारण तथा फेफड़ों में कैंसर व हृदय के रोगों एवं मानसिक तनाव आदि का मुख्य कारण है, प्रकृति में असंतुलन । हम सभी जानते हैं कि धरती पर जीवन प्रकृति, संतुलन से ही

संभव हो सका है।

मौसम में परिवर्तन से किस प्रकार के रोग होते दिखाई पड़ते हैं।

View Text Solution

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

आज हम सभी परेशान हैं कि समय पर वर्षा नहीं होती। कहीं अतिवृष्टि है, कहीं अल्पवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि। पिछली सदी के पूर्वार्द्ध की उपेक्षा उत्तरार्द्ध में मौसमी-चक्र बहुत कुछ बदल गया है और अब तो अनिश्चित-सा हो गया है। पहले हर मौसम

प्रायः समय पर आता था और वर्षा नियमित रूप से होती थी। यह स्थिति केवल भारत की नहीं है, बल्कि संपूर्ण विश्व की है। कहीं इतनी वर्षा होती है कि बाढ़ के कारण जन और धन की अपार हानि होती है, तो कहीं बिल्कुल वर्षा नहीं होती जिससे खड़ी फसलें खेत में नष्ट हो जाती है। कुछ देशों में बर्फ इतनी गिरती है कि जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। कभी-कभी जब फसल पक जाती है तब मूसलाधार वर्षा हो जाती है जिससे अन्न को घर लाना असंभव हो जाता है। वायुमंडल में प्रदूषण और प्रकृति-असंतुलन के कारण भारत के अधिकांश भाग में सन 1987 में बीसवीं शताब्दी का सबसे भयंकर सूखा पड़ा। साथ ही पूर्वी भारत में बाढ़ के भीषण प्रकोप से जन-धन की काफी हानि हुई। यह प्राकृतिक विपदा मनुष्य-निर्मित है, क्योंकि मनुष्य स्वयं प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहा है। मौसम

में इस तरह के बदलाव से सामान्य जन पीड़ित है और वैज्ञानिक चिंतित।

वैज्ञानिक खोजों से पता चलता है कि मौसम में परिवर्तन का कारण तथा फेफड़ों में कैंसर व हृदय के रोगों एवं मानसिक तनाव आदि का मुख्य कारण है, प्रकृति में असंतुलन । हम सभी जानते हैं कि धरती पर जीवन प्रकृति, संतुलन से ही संभव हो सका है।

उत्तरार्द्ध व भीषण शब्दों के अर्थ लिखिए।

View Text Solution

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

आज हम सभी परेशान हैं कि समय पर वर्षा नहीं होती। कहीं अतिवृष्टि है, कहीं अल्पवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि। पिछली सदी के पूर्वार्द्ध की उपेक्षा उत्तरार्द्ध में मौसमी-चक्र बहुत कुछ बदल गया है और अब तो अनिश्चित-सा हो गया है। पहले हर मौसम प्रायः समय पर आता था और वर्षा नियमित रूप से होती थी। यह स्थिति केवल भारत की नहीं है, बल्कि संपूर्ण विश्व की है। कहीं इतनी वर्षा होती है कि बाढ़ के कारण जन और धन की अपार हानि होती है, तो कहीं बिल्कुल वर्षा नहीं होती जिससे खड़ी फसलें खेत में नष्ट हो जाती है। कुछ देशों में बर्फ इतनी गिरती है कि जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। कभी-कभी

जब फसल पक जाती है तब मूसलाधार वर्षा हो जाती है जिससे अन्न को घर लाना असंभव हो जाता है। वायुमंडल में प्रदूषण और प्रकृति-असंतुलन के कारण भारत के अधिकांश भाग में सन 1987 में बीसवीं शताब्दी का सबसे भयंकर सूखा पड़ा। साथ ही पूर्वी भारत में बाढ़ के भीषण प्रकोप से जन-धन की काफी हानि हुई। यह प्राकृतिक विपदा मनुष्य-निर्मित है, क्योंकि मनुष्य स्वयं प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहा है। मौसम में इस तरह के बदलाव से सामान्य जन पीड़ित है और वैज्ञानिक चिंतित।

वैज्ञानिक खोजों से पता चलता है कि मौसम में परिवर्तन का कारण तथा फेफड़ों में कैंसर व हृदय के रोगों एवं मानसिक तनाव आदि का मुख्य कारण है, प्रकृति में असंतुलन । हम सभी जानते हैं कि धरती पर जीवन प्रकृति, संतुलन से ही

संभव हो सका है।

मौसम परिवर्तन का प्रमुख कारण क्या है ? उसके लिए आप क्या कर सकते हैं?

View Text Solution

खण्ड ख

1. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए-

उसने ईश्वर से कुछ मांगने की मुदा में अपने हाथ कपर उठाए।

View Text Solution

2. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए-

गायें और बकरियों मी पास खा रही हैं। (संयुक्त वाक्य में)

View Text Solution

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए-

मैने कल एक ऐसा बच्चा देखा था जो बहुत स्वस्थ था। (सरल वाक्य में)

View Text Solution

4. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास के नाम लिखिए- नवरात्रि, चिंतामग्न

View Text Solution

5. निम्नलिखित शब्दों से समास बनाइए व समास का नाम लिखिए-

देश से निकाला (निष्कासन), लगाम के बिना

View Text Solution

6. निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति उपयुक्त मुख्वरों से कीजिए-

सच्चे शूरवीर देश की रक्षा में प्राप्यों की. _____ हैं।

View Text Solution

7. निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति उपयुक्त मुख्वरों से कीजिए-

गरीब माँ-बाप अपना _____ कर बच्चो को पढ़ाते है और वे चिंता नहीं करते।

View Text Solution

खण्ड ग

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

मैदान का आकर्षण छोटे भाई को कहाँ ले जाता था और क्या-क्या करवाता था? कहानी 'बड़े भाई साहब' के आधार पर लिखिए।

View Text Solution

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

26 जनवरी, 1931 के दिन कोलकाता में मानों की क्या स्थिति हो गयी थी। बताइए।

View Text Solution

3. तताँरा और वामीरी की मृत्यु कैसे हुई: पठित पाठ के आधार पर लिखिरा

View Text Solution

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

सालाना इम्तिहान हुआ। भाईसाहब फेल हो गये। मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया। मेरे और उनके बीच में केवल दो साल का अंतर रह गया। जी में आया, भाईसाहब को आड़े

हाथों लू-आपकी वह घोर व्यवस्था कहाँ गई? मुझे देखिए मजे से खेलता भी रहा और दरजे में अव्वल भी हु, लेकिन वह इतने दुःखी और उदास थे कि उनसे मुझे दिली हमदर्दीई और उनके घाव पर नमक छिडकने का विचार ही लज्जास्पद जान पड़ा। हाँ मुझे अब अपने ऊपर कुछ अभिमान हुआ और आत्मसम्मान भी बढ़ा। भाईसाहब का वह रोब मुझ पर न रहा। आजादी से खेलकूद में शरीक होने लगा। दिल मजबूत था। अगर उन्होंने फिर मेरी फजीहत की तो साफ-साफ कह दूंगा आपने अपना खून जलाकर कौन सा तीर मार लिया?

लेखक के मन में बड़े भाई के प्रति तिरस्कार क्यों जागा ?

View Text Solution

5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

सालाना इम्तिहान हुआ। भाईसाहब फेल हो गये। मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया। मेरे और उनके बीच में केवल दो साल का अंतर रह गया। जी में आया, भाईसाहब को आड़े हाथों लू-आपकी वह घोर व्यवस्था कहाँ गई? मुझे देखिए मजे से खेलता भी रहा और दरजे में अव्वल भी हु, लेकिन वह इतने दुःखी और उदास थे कि उनसे मुझे दिली हमदर्दीई और उनके घाव पर नमक छिडकने का विचार ही लज्जास्पद जान पड़ा। हाँ मुझे अब अपने ऊपर कुछ अभिमान हुआ और आत्मसम्मान भी बढ़ा। भाईसाहब का वह रोब मुझ पर न रहा। आजादी से खेलकूद में शरीक होने लगा। दिल मजबूत था। अगर उन्होंने फिर मेरी फजीहत की तो साफ-साफ कह

दूंगा आपने अपना खून जलाकर कौन सा तीर मार लिया?

लेखक के प्रथम आने पर क्या-क्या परिणाम हुए ?

View Text Solution

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

सालाना इम्तिहान हुआ। भाईसाहब फेल हो गये। मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया। मेरे और उनके बीच में केवल दो साल का अंतर रह गया। जी में आया, भाईसाहब को आड़े हाथों लू-आपकी वह घोर व्यवस्था कहाँ गई? मुझे देखिए मजे से खेलता भी रहा और दरजे में अव्वल भी हु, लेकिन वह

इतने दुःखी और उदास थे कि उनसे मुझे दिली हमदर्दीई और उनके घाव पर नमक छिडकने का विचार ही लज्जास्पद जान पड़ा। हाँ मुझे अब अपने ऊपर कुछ अभिमान हुआ और आत्मसम्मान भी बढ़ा। भाईसाहब का वह रोब मुझ पर न रहा। आजादी से खेलकूद में शरीक होने लगा। दिल मजबूत था। अगर उन्होंने फिर मेरी फजीहत की तो साफ-साफ कह दूंगा आपने अपना खून जलाकर कौन सा तीर मार लिया?

ब लेखक खेलकूद में आजादी से क्यों शरीक होने लगा ?

View Text Solution

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रकृति का वेश किस प्रकार बदल रहा है? पंत की कविता के आधार पर लिखिए।

View Text Solution

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पोथी पड़-पढ़ कर भी शान प्राप्त न होने से कबीर का क्या तात्पर्य है?

View Text Solution

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1857 की तोप का क्या आशय है?

View Text Solution

10. मीराबाई ने हरि से स्वयं का कष्ट दूर करने की जो विनती की है उसने स्वयं का कृष्ण से कौन-सा संबंध बताया है ? जिन भक्तों के उदाहरण दिए हैं, उनमें से एक पर की गई कृष्ण कृपा को संक्षेप में लिखिया ।

View Text Solution

11. आप कैसे कह सकते है कि हरिहर काका संयुक्त परिवार के मूल्यों के प्रति एक समर्पित व प्रेरक मानव थे। पठित पाठ के आधार पर समझाए |

View Text Solution

खण्ड घ

1. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।

जहाँ-चाह वहाँ राह

- इच्छाशक्ति का महत्व
- इच्छाएं और जीवन मूल्य (स्वाभिमान, सतोष, सत्य)
- चाह से राह का निर्माण

View Text Solution

2. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।

मेरे सपनों का भारत

- भारत प्राकृतिक स्थिति
- उन्नत भारत की चाह

- सुनियोजित भारत
- भारत के बारे में मेरी कल्पना
- भ्रष्टाचार मुक्त भारत

View Text Solution

3. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।

समय-नियोजन

- अर्थ

- व्यवश्था
- लाभ

View Text Solution

4. अपनी कक्षा को आदर्श कक्षा का रूप देने के लिए अपने देते हुए प्रधानाचार्य महोदय को एक प्रार्थना पत्र लिखिए।

View Text Solution

5. विद्यालय के सूचना पट के लिए सूचना सेचार कीजिए के शारड्कालीन अवकाश के बाद 20 अक्टूबर को विद्यालय में

हिन्दी निबन्ध लेखन प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता की तैयारी के लिए हिंदी विभागाध्यक्षा डा. नीलम से सम्पर्क करें (20-30 शब्दों में)।

View Text Solution

6. आपकी माँ बहुत अच्छी चॉकलेट बनाती है। उन्हें बेचने के लिए आकर्षक विज्ञापन लगभग 20-25 शब्दों में बनाइया

View Text Solution